GENERAL STUDIES (Test–7)

Time allowed: Three Hours

DTVF/23 (J-A)–M–GSM (P-III)-2307

Maximum Marks:250

Name: Jatin Kumar **Mobile Number: _____**

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number: _____**

Center & Date: Online – 01.08.2023 **UPSC Roll No. *(If allotted)*: _____**

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

(To be filled by Evaluator only)

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.	4.5	11.	6
2.	4	12.	7
3.	4	13.	6
4.	3	14.	7
5.	4	15.	6
6.	3.5	16.	6
7.	3	17.	6
8.	4	18.	6
9.	3	19.	5
10.	4	20.	6
Grand Total			98

K

Evaluator (Signature)

Reviewer (Signature)

Feedback

1. Context Proficiency
2. Introduction Proficiency
3. Content Proficiency
4. Language/Flow
5. Conclusion Proficiency
6. Presentation Proficiency

- विषय वस्तु की समझ ठीक है।
- भूमिका को अनावश्यक विस्तार न दें।
- आवश्यक स्थान पर मानचित्र का प्रयोग अवश्य करें।
- भाषायी समझ ठीक है।
- निष्कर्ष भविष्योन्मुखी व तथ्यात्मक हो।
- प्रस्तुति सुंदर किया जा सकता है।
- लिखते रहें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

GSM (P-III) - 2307

(Please do not write anything except the question number is this space) कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए! Candidates must not write on this margin.

(1) कार्बन फार्मिंग में जलवायु परिवर्तन का शमन एवं अन्य लाभ प्रदान करने की महत्वपूर्ण क्षमता है। चर्चा कीजिये।

400

भारत की लगभग 60% जनसंख्या कृषि कार्यों में संलग्न है कार्बन-फार्मिंग द्वारा खेती में कार्बन के पृथक्करण को प्रोत्साहन दिया जाता है।

कार्बन फार्मिंग के लाभ -

1) कार्बन प्रदूषकों की वातावरण में कमी संभव
2) जलवायु परिवर्तन एवं वैश्विक ऊष्मन में कमी
3) किसानों की उत्पादकता में वृद्धि एवं किसानों की आय में वृद्धि
4) नेट जीरो बनने की भारत की आशा (2070) में एक कदम
5) मृदा अवनयन में कमी

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

कार्बन फार्मिंग में समस्याएँ :—

1) उपलब्ध जोतों का सीमित आकार
उदा० - 80% से अधिक जोतें 1 हेक्टेयर से भी कम

2) किसानों की बदलती तकनीक के प्रति अनभिज्ञता एवं परिवर्तन की अनिच्छा
उदा० - परम्परागत कृषि को प्रोत्साहन

3) खेती कार्यों में बढ़ती अदृश्य बेरोजगारी

आगे की राह —

- तकनीकों का अधिक प्रयोग
- मृदा की दक्षता में वृद्धि
- किसानों में जागरूकता

इस बात की आवश्यकता है कि जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से बचने की नित-नयी तकनीकों का विकास किया जाये जिससे SDG लक्ष्यों की समय से प्राप्ति हो सके।

प्रयास होल है

4½

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(2) सतत संचालन संदर्भ स्टेशनों ने सरकार को भारत के लिये संपत्ति सत्यापन समाधानों को एकीकृत करने में सक्षम बनाया है। इस संबंध में भारत में भू- डिजिटलीकरण के महत्व पर चर्चा कीजिये।

भारत में 160 मिलीयन हेक्टेयर भूमि कृषि योग्य है जबकि भारत, विश्व की 2.4% भूमि पर बसा है किन्तु ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि सम्बन्धी कागजों की अनुपलब्धता एक समस्या है।

भू-डिजीटलीकरण की आवश्यकता क्यों?

1) ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि के पट्टों की अनुपलब्धता
2) भूमि के लिए आपसी झगड़ों एवं द्वन्द में वृद्धि
3) बढ़ती जनसंख्या जिसके आवास के लिए भूमि की आवश्यकता

भू-डिजीटलीकरण के लाभ -

1) ग्रामीण निवासियों को बैंक से लोन एवं अन्य सुविधाएँ प्राप्त हो सकेंगी।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC
Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

2) निवासियों के आपसी झगड़ों में कमी
3) जमीन का स्पष्ट लेखा जोखा संभव
4) सरकार द्वारा नीति निर्माण में उपयोग

समस्याएं व चुनौतियां -

1) भूमि की परिवर्तनशील प्रकृति
(उदा) - भूमि जोत का विखण्डन,
भू-जोतों पर आवास बनाना
2) ग्रामीण समुदायों की निम्न भागीदारी
3) सरकारी अधिकारियों की असंवेदनशील प्रकृति

आगे की राह -
1) तकनीकी का प्रयोग
2) डाटा का नियमित अद्यतन

भू-डिजीटलीकरण से ग्रामीण समुदाय के लोगों की वित्तीय समावेशिता सुनिश्चित होगी इसके लिए आवश्यक है कि सरकारों को उपग्रह तकनीकों का सहारा लेकर सटीक भूमि विश्लेषण किया जाये।

4

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(3) उपयुक्त उदाहरणों के साथ, भारत में शहरी बाढ़ के कारणों और शमन रणनीतियों पर चर्चा कीजिये।

भारत की लगभग 35% आबादी शहरों में रहती है जिसके 2050 तक 65% होने की संभावना है। शहरी बाढ़ से आशय शहरों में जल के अनियंत्रित प्रवाह से है जिसके मानवीय व प्राकृतिक कारण होते हैं।

शहरी बाढ़ के कारण –

(1) शहरीकरण की अनियोजित प्रवृत्ति
उदा. गुरुग्राम

(2) शहरी कचरा प्रबंधन तकनीकों का अभाव या अक्षमता।
उदा. शहर के घरेलू कचरों के उपचार की व्यवस्था नहीं

(3) शहरों में कंक्रीटीकरण।
उदा. प्राकृतिक मृदा का अभाव, शहरी पुल, सड़क आदि में कंक्रीट

मानचित्र का प्रयोग ज्यादा बेहतर बनाता।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(4) जलवायु परिवर्तन जिससे बारिश की मात्रा में वृद्धि

उदा० हाल ही में उत्तर भारत में वृद्धि शील वर्षा

(5) शहरों का नदी किनारे बसा होना एवं मलिन बस्तियों का विकास

उदा० यमुना किनारे दिल्ली

शमन रणनीतियां -

1. शहरी नियोजन पर ध्यान देना जैसे- चंडीगढ़ आदि।
2. कचरा प्रबंधन की उचित तकनीक
3. वाटरशेड प्रबंधन की अनिवार्यता
4. बाढ़ के पानी का उचित तरीके से निपटान

शहर में बाढ़ मुख्यतः मानवीय कारणों से आती है जिसे सामान्य शमन प्रक्रिया एवं व्यवहार परिवर्तन से रोका जा सकता है। इसके लिए हमें LiFE अप्रोच पर कार्य करने एवं नज सिद्धान्त (स्विंड थेलर) का पालन करने की आवश्यकता है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

5 समालोचनात्मक विवेचना कीजिये कि वन संरक्षण अधिनियम में हालिया संशोधन का उद्देश्य आर्थिक विकास और वनों के संरक्षण को कैसे संतुलित करना है।

वन, प्राकृतिक पर्यावरण का अभिन्न अंग है। भारतीय वन नीति के अनुसार 33% भाग पर वन होने चाहिए किन्तु अभी 21.71% भाग पर वन उपलब्ध हैं जिन्हें बढ़ाये जाने की अतिशीघ्र आवश्यकता है।

वन संरक्षण अधिनियम में संशोधन की आवश्यकता क्यों?

1) विकास गतिविधियों एवं पर्यावरण में संतुलन
2) SDG लक्ष्यों को हासिल करने एवं पंचप्रण की प्राप्ति
3) मानव-पर्यावरण सम्बन्ध स्थापित करने

किये गये संशोधन :-

1. चिड़ियाघर एवं अन्य सौन्दर्य क्षेत्र बनाने के लिए वनीय भूमि के प्रयोग की अनुमति

2. अन्तर्राष्ट्रीय सीमा के निकट 100 km क्षेत्र में रणनीतिक महत्व के कार्यों हेतु वनभूमि उपयोग के लिए अनुमति की आवश्यकता नहीं

(3) केवल वही भूमि वन क्षेत्र मानी जायेगी जो वन अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत है।

(4) राज्य का दायित्व केवल इसी भूमि का संरक्षण

आर्थिक विकास एवं वन संरक्षण में संतुलन

1) विकासीय प्रक्रियाओं में अनावश्यक देरी से राहत

2) पर्यावरण की रक्षा किन्तु पर्यावरण का बहाना बनाकर विकास प्रक्रिया रोकने में कमी

3) जनजातीय समुदाय के वन अधिकारों सम्बन्धी प्रावधान नहीं

4) सर्वोच्च न्यायालय के गोडावर्मन मामले के निर्णय की अवहेलना

आगे की राह ?

हमें राष्ट्रीय वन नीति के 33% क्षेत्र के वन लक्ष्यों का पूरा करने एवं जनजातीय समुदाय के साथ पर्यावरण के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।

(3)

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(5) भारत में गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों में पुनः गिरावट देखी जा रही है। इस संदर्भ में बैंकों की लाभप्रदता में सुधार करने वाले कारकों पर चर्चा कीजिये। तथा NPA की चुनौती को संबोधित करने हेतु बैड बैंक की आवश्यकता का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिये। NPA

NPA से आशय बैंक द्वारा दिए गए उस लोन से है जिस पर पिछले 90 दिनों में कोई ब्याज अथवा मूलधन प्राप्त नहीं हुआ है।

> 90 → NPA
> < 1 वर्ष NPA → Sub. std.
> < 1 वर्ष Sub std. → Stressed

हाल में NPA की दरों में गिरावट देखने को मिली है यह सरकारी बैंकों में 5.2% के स्तर पर आ गया है।

बैंकों की लाभप्रदता में सुधार करने वाले कारक

1) बैंकों द्वारा डिफाल्टर्स का लोन नहीं देना
2) बैंकों द्वारा MSME एवं अन्य छोटे उद्योगों को लोन प्रदान करना → समय से लोन चुकाने में सक्षम
3) सरकार द्वारा बैंकों को समय-समय पर पुनर्संचित करना

4) बैंकों द्वारा सुरक्षित सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश

बैड बैंक की स्थापना से लाभ -

बैड बैंक, बैंकों के NPA को खरीदकर स्वयं NPA की पुनर्प्राप्ति पर कार्य करता है।

1) बैंक का पूरा ध्यान अपने दैनिक कामकाज पर
2) बैंक को NPA से सम्भावित शून्यलाभ की जगह कुछ लाभ
3) बैंक की बैलेंस शीट साफ एवं स्वच्छ

NPA —खरीद→ बैड बैंक
↓
पूरा ध्यान पुनर्प्राप्ति पर

Good

बैड बैंक के नुकसान -

1) NARCL व IDRCL कम्पनियों द्वारा भी NPA की पुनर्प्राप्ति में समस्या
2) अत्यधिक राजकोषीय बोझ
3) NPA प्राप्ति में विशेषज्ञता नहीं

अत: NPA की पुनर्प्राप्ति वित्तीय क्षेत्र के लिए अत्यन्त आवश्यक है जिसमें बैड बैंक जैसी संस्थाएं अपनी भूमिका निभा सकती है एवं भारत को 2027 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने में मदद मिलेगी।

प्रयास ठीक है

4

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(6) चर्चा कीजिये कि केंद्रीय बजट 2023-24 ने देश में विकास और निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए "क्राउडिंग-इन" प्रभाव का लाभ उठाने की योजना का निर्माण कैसे किया है?

'क्राउडिंग इन' को परिभाषित करते हुए भूमिका लिखें।

भारतीय संविधान के अनु. 112 के अनुसार प्रत्येक सरकार प्रतिवर्ष बजट प्रस्तुत करती है जिसमें आने वाले वर्ष के कार्यक्रम एवं पिछले वर्ष के कार्यों को लेखा-जोखा होता है।

बजट में क्राउडिंग इन प्रभाव का लाभ उठाने के लिए प्रयास

1) बजट में कर संरचना में परिवर्तन नहीं किया गया जिसका प्रभाव लोगों द्वारा बचत में वृद्धि एवं निवेश प्रक्रिया में देखने को मिला एवं अन्य सभी क्षेत्रों में प्रभाव पड़ा।

2) सड़क व राजमार्ग मंत्रालय द्वारा रोजाना करीबी 50 km. सड़क का निर्माण जिससे बुनियादी ढाँचे का विकास एवं क्राउडिंग इन के रूप में सम्बन्धित शिक्षा, स्वास्थ्य क्षेत्रों का विकास।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

3) विनिवेश प्रक्रिया को सुदृढ़ करने एवं सुस्त पड़े सरकारी भवनों एवं जमीन के लिए नेशनल मोनेटाइजेशन पाईपलाइन जिससे नवीन क्षेत्रकों द्वारा इनमें निवेश संभव।

4) मेक इन इंडिया प्रक्रिया को और मजबूत करने के लिए कर छूट

आगे की राह -

- हमें आधारभूत ढाँचे में अत्याधिक निवेश की आवश्यकता है।
- लॉजिस्टिक खर्चे को 14% से घटाकर 8% तक लाना जरूरी
- अनुसंधान एवं विकास को प्रोत्साहन

भविष्य के नेतृत्वकर्ता के रूप में भारत ने सभी क्षेत्रों के लिए अपने द्वार खोले हैं ताकि प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि हो एवं आय - असमानता समाप्त हो।

3½

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(7) भारत सरकार द्वारा भविष्य में इंटीग्रेटेड रॉकेट फोर्स (IRF) गठित करने का हालिया निर्णय दीर्घकाल से लंबित था। भारत में IRF की आवश्यकता का उल्लेख कीजिये। भारत अपने शत्रु पड़ोसियों के विरुद्ध तैयारी सुनिश्चित करने हेतु IRF को प्रभावी ढंग से किस प्रकार शामिल कर सकता है?

भारत थल, जल व वायु सेना के माध्यम से अपनी क्षमताओं का प्रयोग करता है जिससे आन्तरिक व वाह्य सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

इंटीग्रेटेड रॉकेट फोर्स की आवश्यकता?

1) चीन की बढ़ती गतिविधियां एवं हिन्द - प्रशान्त क्षेत्र तक पहुँच
2) पाकिस्तान प्रेरित आतंकवाद का भारत के पंजाब एवं महाराष्ट्र जैसे राज्यों तक विस्तार
3) IEDs का बढ़ता प्रभाव
4) भारत की महत्वपूर्ण आंतरिक सुरक्षा
5) सभी बलों के मध्य आपसी समन्वय की आवश्यकता

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

IRF को शामिल करना :-

1) IRF से भारत की सीमा-पारीय एवं आंतरिक सुरक्षा को मजबूती मिलेगी।

2) IRF से आपसी समन्वय एवं शीघ्र निर्णय संभव हो सकेगा

3) आपातकालीन परिस्थितियों में सिंगल रबाईट पर कार्य संभव जिससे दक्षता बढ़ेगी।

4) प्रति-आतंकवाद एवं विश्व के सशक्त देश के रूप में भारत की पहचान

भारत में IRF की लम्बे समय से आवश्यकता महसूस की जा रही है। इसके सटीक संचालन एवं प्रबंधन से भारतीय सुरक्षा कई गुना हो सकेगी।

महत्वपूर्ण तथ्यों को रेखांकित करें।

3

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(8) चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव की खोज के भारत के मिशन में चंद्रयान-3 का क्या महत्व है? इसमें प्रौद्योगिकी एवं लॉजिस्टिक्स दोनों की दृष्टि से भारत के लिये मुख्य बाधाएँ क्या हैं?

चंद्रयान-2 की सॉफ्ट लैंडिंग असफल होने के बाद सीमित समय ही चंद्रयान-3 का प्रणोदन, ISRO की एक अति महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

चन्द्रयान-3 के उद्देश्य -

1) चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग
2) चन्द्रमा पर रोवर को चलते हुए प्रदर्शित करना
3) चन्द्रमा पर स्व-स्थाने वैज्ञानिक अनुसंधान करना

चन्द्रयान 3 के अवयव -

लैंडर + रोवर + प्रणोदक यान

लैंडर रोवर

कुछ सीमा तक ले जाकर छोड़ देगा

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

चन्द्रयान-3 का महत्व :-

1) भारत दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला पहला देश बन जाएगा
2) प्रकृति की शुरुआत के प्रारम्भिक चरणों के बारे में अनुसंधान सम्भव
3) चन्द्रमा की सतह पर पाये जाने वाले खनिजों के बारे में सूचना

मुख्य बाधाऐं :-

1) सॉफ्ट लैंडिंग करना आसान नहीं चन्द्रयान-2 भी इसी वजह से असफल
2) चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सूर्य की रोशनी नहीं अतः ऊर्जा की समस्या
3) कनेक्टिविटी बनाये रखना

भारत के (ISRO) अंतरिक्ष क्षेत्र मे चन्द्रयान-3 एक अत्यन्त क्रांतिकारी कदम साबित होगा एवं ISRO की अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा स्थापित होगी।

3316

4

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

Q1

गुरुत्वीय तरंगें क्या हैं? गुरुत्वीय तरंगों की नवीनतम खोज किस प्रकार ब्रह्मांड के बारे में बेहतर समझ प्रस्तुत करती है?

गुरुत्वीय तरंगें वे तरंगे हैं जो किन्हीं विशाल खण्डों के आपसी गुरुत्वीय क्रिया के परिणामस्वरूप उत्पन्न होती हैं।

- सामान्य रूप में सभी पिण्डों के मध्य गुरुत्वाकर्षण बल कार्य करता है।
- गुरुत्वीय बल अत्यधिक कमजोर होता है जिससे इसका प्रभाव देखने को नहीं मिलता।

आवश्यक नहीं है

गुरुत्वीय तरंगों की खोज के लाभ -

- स्विट्जरलैण्ड में पृथ्वी के नीचे स्थित टनल में कोशिश की जा रही है कि पृथ्वी की उत्पत्ति से सम्बन्धित प्रक्रिया को समझा जा सके।
- जेम्स वेब टेलीस्कॉप भी ऐसी किसी परिघटना के प्रति संवेदनशील है।

UPSC

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

1) किसी तारे के निर्माण एवं मरने की (नष्ट होने की) सम्पूर्ण प्रक्रिया को समझने मे सहायता मिलेगी।

2) सुपरनोवा को समझने में सहायता

3) ब्लैक ड्वार्फ एवं वाइट ड्वार्फ कैसे बनते है

4) ब्लैक होल व ब्लैक एनर्जी व ब्लैक मैटर के बारे मे समझने मे सहायता

5) प्रकृति के उद्भव एवं विकास की प्रक्रियाओं की समझ

अतः गुरुत्वीय तरंगों की खोज एक अति महत्वपूर्ण परिघटना है जो विज्ञान की आने वाली तकनीकों को बदल कर रख देगी। यह मानव जीवन में किस तरह परिवर्तन लायेगी यह देखने की बात है।

भारत द्वारा इस दिशा मे किए जा रहे प्रयासों को लिखे-

eg - LIGO India

3

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(10) ट्रांसजेनिक फसलें क्या है? भारत में ट्रांसजेनिक फसलों की स्थिति पर चर्चा कीजिये और उनके विनियमन की प्रक्रियाओं पर प्रकाश डालिये।

ट्रांसजेनिक फसलों से आशय ऐसी फसलों से हैं जिन्हें किसी विशेष उद्देश्य की पूर्ति के लिए किसी अन्य जीव से जीन लेकर बनाया जाता है।

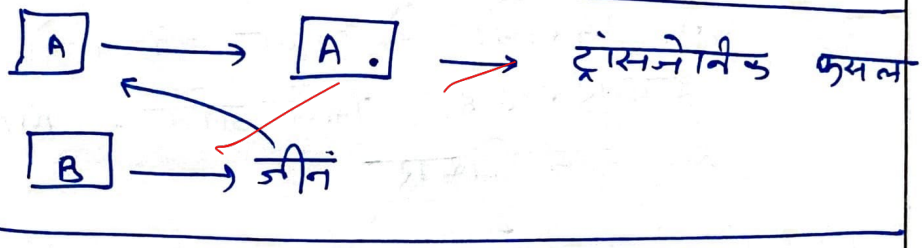

ट्रांसजेनिक फसलों की स्थिति :-

1) कीटनाशक कीटों, कवकों एवं रसायनों के प्रति प्रतिरोधी
2) सूखे व जल की कमी से कम प्रभावित
3) उत्पादन के वृद्धि संभव
4) किसान की आय में वृद्धि
5) पोषक स्तर - विटामिन, खनिज तत्व, प्रोटीन, फाइबर आदि में वृद्धि

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

- भारत में वर्तमान में Bt कॉटन को ही वाणिज्यिक स्तर पर उगाने की अनुमति है।

- GM- सरसों के लिए अभी स्वीकृति नहीं मिली है।

विनियमन की प्रक्रियाएँ –

1) GEAC द्वारा पूर्व सहमति आवश्यक
2) GM फसलों के बीज किसानों द्वारा उत्पादित नहीं किये जाते - MNC का एकाधिकार
3) नैतिक मुद्दे व लोगों द्वारा अस्वीकार्यता
4) पर्यावरण संरक्षण अधि, 1986 के तहत पर्यावरण पर खतरा नहीं डाले
5) FSSAI – खाद्य आयात

ट्रांसजेनिक फसलें लाभ व हानि दोनों समेटे हुए हैं। हमें विशद स्तर पर अनुसंधान की जरूरत है ताकि सभी बहुविशेष प्रभावों का पता लगाया जा सके एवं मानव लाभ के लिए प्रयोग किया जा सके।

4

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(11) प्रौद्योगिकी सहायता प्राप्त स्वास्थ्य हस्तक्षेप एवं स्वास्थ्य देखभाल में डिजिटल समाधानों ने अभूतपूर्व परिवर्तन लाकर भारत के स्वास्थ्य परिदृश्य में क्रांति ला दी है। इस संदर्भ में भारत में डिजिटल स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली की पहलों और चुनौतियों पर चर्चा कीजिये।

भारत की 130 करोड़ आबादी में 1000 जनसंख्या पर 1 चिकित्सक होने की अपेक्षा (1:1000) 834 पर एक डॉक्टर की उपलब्धता है। इसके अतिरिक्त यूनानी, सिद्ध एवं आयुर्वेद जैसी तकनीकों का विकास हो रहा है।

डिजीटल स्वास्थ्य तकनीकें —

1. ऑनलाईन स्वास्थ्य देखभाल
2. डॉक्टर से ऑनलाईन पंजीकरण
3. वीडियो कॉल पर देखरेख एवं बातचीत
4. रिपोर्ट भेजना
5. रिपोर्ट की जांच एवं प्रबंधन
6. डाटा का प्रबंधन
7. मरीजों तक आसान पहुँच

भारत में डिजीटल स्वास्थ्य प्रणाली की पहल :-

1. टेलीमेडिसीन - स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा रोगी को डिजीटल सेवाओं की सहायता से इलाज का प्रयास करना एवं भौगोलिक बाध्यता को समाप्त करने की कोशिश।

2. डिजीटल हेल्थ कार्ड - प्रत्येक नागरिक के पास यह विकल्प उपलब्ध है कि वह अपना हेल्थ कार्ड जेनरेट कर सके एवं अपनी सभी बीमारी एवं उपचार का लेखा-जोखा वहाँ सुरक्षित रख सके ताकि भविष्य में डॉक्टर के पास सभी सूचनाएं एक क्लिक में उपलब्ध हों।

3. PM- भारतीय जन औषधि परियोजना - सस्ती जेनेरिक दवाओं की उपलब्धता, गूगल मैप के माध्यम से आसान पहुँच

4. आयुष्मान भारत योजना - प्रत्येक परिवार को प्रतिवर्ष 5 लाख तक का इलाज मुफ्त कराने की सुविधा एवं इसका डिजीटल लेखा-जोखा।

डिजिटल

डिजीटल स्वास्थ्य की चुनौतियां :-

1) डिजीटल बुनियादी ढाँचे का अभाव
2) अभी तक मोबाइल एवं इन्टरनेट की पहुँच नहीं (730 मिलीयन उपभोक्ता)
3) डिजीटल साक्षरता का अभाव एवं साक्षर लोगों में साक्षरता का अति न्यून स्तर
4) साइबर अपराध, साइबर ठगी एवं साइबर आक्रमण का खतरा
5) निजता सम्बन्धी खतरे
6) डाटा के भंडारण सम्बन्धी समस्याएं

चूँकि आज के डिजीटल युग में यह अपरिहार्य है कि डिजीटल बुनियादी सुविधाओं का स्वास्थ्य में भी उपयोग किया जाये किन्तु इसके लिए एक सशक्त अवसंरचना एवं डाटा संरक्षण कानून की आवश्यकता है।

6

Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(12) पर्याप्त खाद्य भंडारण सुविधाओं के अभाव में खाद्यान्नकी बर्बादी हुई, जिसने सरकार के समक्ष एक बड़ी चुनौती उत्पन्न की। इस संदर्भ में, देश में कृषि भंडारण अवसंरचना की कमी को दूर करने के लिये सरकार को क्या कदम उठाने की आवश्यकता है?

खाद्यान्न सुरक्षा की सुनिश्चितता राज्य सरकारों का दायित्व है जिसमें शामिल है.

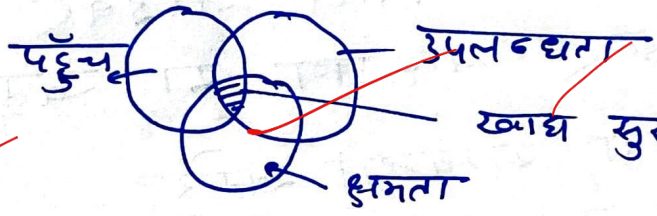

Good

ऐसा आकलन है कि भारत में पर्याप्त भण्डारण सुविधाओं के अभाव में 1 लाख करोड़ तक का खाद्यान्न नष्ट हो जाता है इससे 30% जनसंख्या की उदर पूर्ति संभव है।

किसान द्वारा उत्पादन → परिवहन → भण्डारण

↓

राज्य सरकार द्वारा खरीद

PDS के माध्यम से लोगों तक पहुँच

खाद्यान्न का लाभार्थी तक पहुँचना

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

परिणामगत - समस्याओं को शामिल करें - जैसे - तकनीक

भण्डारण में समस्याएँ -

1) FCI के पास पर्याप्त भण्डारण बुनियादी ढांचा नहीं
2) भण्डारण सुविधाओं में क्षेत्रीय विभिन्नताएँ - पंजाब, हरियाणा में अधिक किन्तु दक्षिण के राज्यों मे कम
3) भण्डारण की वैज्ञानिक तकनीकों का अभाव
4) प्रशासनिक स्तर पर भ्रष्टाचार
5) खुले में भण्डारण - जलवायु परिस्थितियों - आर्द्रता, वर्षा आदि के कारण हानि
6) असंवेदनशील हैण्डलिंग

आवश्यक कदम -

1) परिवहन करने वाले साधनों में GPS की सुविधा ताकि खाद्यानों द्वारा अनुचित लाभ एवं खाद्यान्न चोरी ना की जाये।
उदा. - छत्तीसगढ़ मॉडल

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

2) शांता कुमार समिति के अनुसार -

(i) जिन राज्यों की खाद्यान्न खरीद में सिद्धहस्तता है उन्हें खाद्यान्न खरीदकरने दी जाए जैसे - उत्तराखण्ड (DCP)

(ii) FCI को तकनीकी प्रबन्धों की आवश्यकता

(iii) निजी क्षेत्रों से आवश्यक सहयोग

(iv) भ्रष्टाचार को कम करने के प्रयास

3) खाली पड़े गोदामों का उचित उपयोग किया जाये - साइलो का निर्माण

4) परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाये ताकि अधिक अनाज का परिवहन अन्यत्र किया जा सके।

भारत की खाद्यान्न सुरक्षा सुनिश्चित हो एवं भूखमरी एवं गरीबी कम हो इसके लिए भण्डारण, परिवहन जैसे क्षेत्रों में कार्य करने की आवश्यकता है जिससे अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में भारत की महत्ता भी बढ़ेगी।

7

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

13

अति- वैश्वीकरण की अवधारणा पर चर्चा कीजिये और इसने विशेष रूप से समावेशिता एवं आर्थिक समानता के संदर्भ में भारतीय समाज को किस प्रकार प्रभावित किया है?

वैश्वीकरण का अर्थ विचारों, सूचनाओं एवं सिद्धान्तों के खुले आदान-प्रदान से है जिससे एक पृथ्वी: एकपरिवार की संकल्पना साकार होती है। अति-वैश्वीकरण ने सम्पूर्ण विश्व के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था, राजनीति एवं समाज को भी प्रभावित किया है।

अति वैश्वीकरण के प्रभाव :-

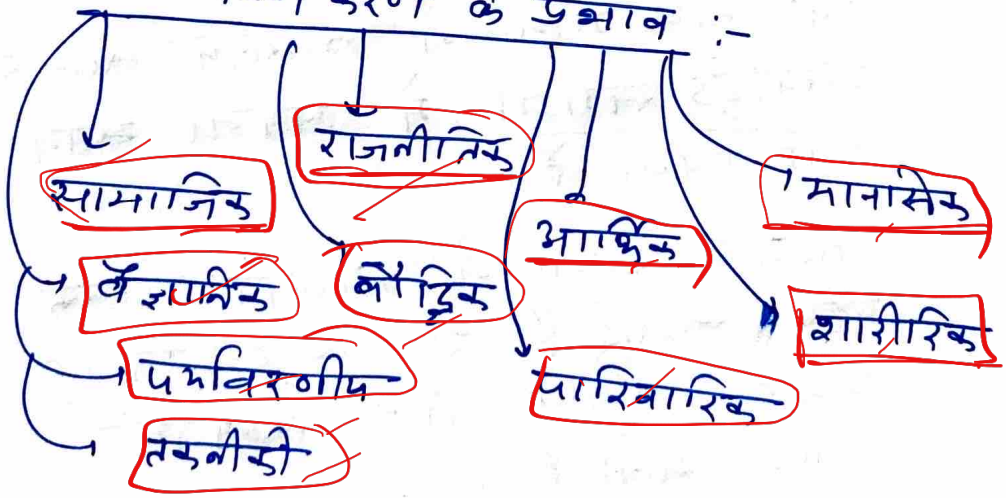

- अति वैश्वीकरण ने भारतीय समाज को सभी रूपों में नकारात्मक तरीके से प्रभावित किया है।

Page

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC
Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

अति - वैश्वीकरण एवं समावेशिता -

1) भारतीय समाज के लोगों में उदार एवं ब्रेन ड्रेन बढ़ा है जिसका अधिकांश भाग अमेरिका व कनाडा में रहने लगा है। इससे भारतीय परिवार टूटने लगे हैं एवं विदेशों की प्रति भारतीयों की मनोवृत्ति में परिवर्तन हुआ है।

2) लोकतांत्रिक तरीकों से नये प्रयोगों का वैश्विक परिदृश्य से पता लगाना एवं अपने अधिकारों एवं मानकीकरण की माँग करना

3) हिप - हॉप गानों ने भारतीय स्थानीय बॉलीवुड संगीतों में अपना स्थान बना लिया है।

4) चाइनीज खानों ने भारतीय घरों तक पहुँच बनाई है एवं कुल्हड़ पिज्जा, कुल्हड़ चाउमीन जैसी संकल्पनाएँ सामने आयी है।

5) भारतीय समाज में नवीन लिव-इन-रिलेशनशिप एवं समलैंगिक सम्बन्धों को मान्यता मिलने लगी है।

उदा० बधाई हो बॉलीवुड मूवी

अति वैश्वीकरण एवं आर्थिक समानता

1) कौशल के विकास पर युवक-युवतियाँ समान आय की माँग करते हैं एवं आर्थिक समानता का विस्तार होता है।

2) लोगों के पास अधिक अवसर उपलब्ध हैं। अपनी क्षमता को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन करने की कोशिश की जाती है।

3) आर्थिक स्तरों पर मानकीकरण के प्रयास किये जा रहे हैं।

4) निवेश के अवसरों में वृद्धि एवं अनुसंधान एवं विकास प्रक्रियाओं को प्रोत्साहन

अतः वैश्वीकरण के विरुद्ध बातें करना ऐसा है जैसे गुरुत्व के नियम के विरुद्ध बातें करना – कोफी अन्नान। अतः वैश्वीकरण के सकारात्मक प्रभावों को आत्मसात करते हुए समाज के विकास को गति देने की आवश्यकता है।

अति-वैश्वीकरण की सटीक समझ के लिए मॉडल उत्तर देखें।

6

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

15) भारत में रक्षा निर्यात में तीव्र वृद्धि हो रही है तथा वर्ष 2030 से पहले शीर्ष पाँच निर्यातकों में से एक बनने की सम्भावना है। आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये।

निर्यात 35800 करोड़

भारत, रक्षा क्षेत्र का प्रथम आयातक देश है (SIPRI की रिपोर्ट) किन्तु भारत के द्वारा रक्षा क्षेत्र में निर्यात को भी गति दी जा रही है जिससे अपनी सुरक्षा के साथ-साथ मित्र देशों को सुरक्षित करने की कोशिश की जा रही है।

भारत के लिए रक्षा क्षेत्र में संभावनाएं -

1) अफ्रीका महाद्वीप की 17% जन संख्या एवं विकास का निम्न स्तर

2) भारत के पास SAARC एवं BIMSTEC जैसे समूहों की सदस्यता एवं पड़ोसियों की उपलब्धता जैसे - भूटान एवं नेपाल

3) भारत द्वारा LCH-प्रचण्ड, LCA-तेजस, सबमरीन आदि का विकास

Page

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

4) फ्रांस के साथ सबमरीन निर्माण एवं तकनीक हस्तांतरण समझौते

5) भारत का मेक इन इंडिया प्रोग्राम

भारत के शीर्ष त्रिभुज बनने के लाभ

1) भारत की स्वयं की आन्तरिक स्थलीय सुरक्षा मजबूत होगी एवं सीमा - सुरक्षा मजबूत

2) पाकिस्तान एवं चीन से टक्कर लेने के लिए भारत के पास रक्षा सौदों की आवश्यकता

3) रूस व फ्रांस पर निर्भरता में कमी होगी

4) रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता

5) फोरेक्स रिजर्व में वृद्धि

6) आयात बिलों में कमी

7) भारतीय सेना के आत्मविश्वास में वृद्धि एवं आधुनिकीकरण पर अधिक खर्च

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

सम्भावित चुनौतियाँ

1) चीन का बढ़ता प्रभुत्व
2) रूपये का अन्तर्राष्ट्रीयकरण नहीं
3) श्रीलंका, नेपाल, मिस्र जैसे देशों पर चीन का अत्यधिक दबाव
4) भारत के शांत देश होने की नीति के विरुद्ध
5) भारत द्वारा इसके लिए अत्यधिक निवेश की आवश्यकता
6) इस धन का उपयोग 23 करोड़ गरीबों की गरीबी दूर करने में किया जा सकता है।

भारत कल का नेतृत्वकर्ता है चाहे वह रक्षा क्षेत्र हो, जलवायु या निवेश गतिविधियाँ। हमे राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर अपने सम्बन्ध स्थापित करने की आवश्यकता है।

प्रयास ठीक है

नि

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(15) यदि भारत को विश्व की फार्मेसी राजधानी बने रहना है तो यह महत्वपूर्ण है कि नियामक दवा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निगरानीकर्ता की तरह कार्य करना शुरू करें। इस संदर्भ में भारत में दवा नियमों से जुड़ी चुनौतियों का विश्लेषण कीजिये।

भारत विश्व की फार्मेसी राजधानी कहलाता है क्योंकि जेनरिक सस्ती दवाओं का एक बड़ा हिस्सा भारत में उत्पादित होता है जिसे वह गरीब राष्ट्रों तक पहुँचाता है।

प्रभावी नियामक दवा सुरक्षा :-

कुछ समय पहले अफ्रीकी देशों में भारत से आयातित दवा के कारण कुछ लोगों की मृत्यु हो गयी जिस कारण वैश्विक समुदाय में भारत की साख का नुकसान हुआ। अत: आवश्यक है कि भारत अपनी दवा निर्माण कम्पनियों पर प्रभावी एवं नियामकीय सुरक्षा तरीके अपनाए ताकि यह सुनिश्चित हो सके की भारत ही विश्व की फार्मेसी राजधानी है।

विश्लेषण लिखें। Ambiguous लिखा है।

Page

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC
Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

1) दवा निर्माण कम्पनियों के पंजीकरण से पूर्व उनकी साख, उनका इतिहास जाँच लिया जाये।

सम्बन्धित चुनौतियां –

1) दवा क्षेत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार जिससे विभिन्न दवाओं को बिना किसी टेस्टिंग के ही अनुमति दे दी जाती है।

2) रैगोमॉर्फिक तकनीकें जिनमें भारतीय दवाओं का चूहों पर परीक्षण किया जाता है।

3) निवेश की कमी एवं प्रभावी अनुसंधान एवं विकास तकनीकों का अभाव

4) दवाओं की दरों में वृद्धि

5) दवा कम्पनी का एकाधिकार

6) नैतिक मूल्यों एवं उपभोक्ताओं के प्रति जवाबदेहिता का अभाव

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

समाधान के प्रयास —

1) भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टोलरेंस नीति अपनायी जाये।

2) दवा को अन्तिम सर्टिफिकेट देने में विकेन्द्रीकरण की प्रक्रिया अपनायी जाये।

3) दवाओं की कीमत पर नियंत्रण

4) दवा कम्पनियों को कुछ विशेष प्रतिशत दवाएं पिछड़े क्षेत्रों को कम कीमत/मुफ्त प्रदान करने के लिए बाध्य किया जा सकता है।

5) जेनेरिक दवाओं की पहुँच

(उदा०) प्रधानमंत्री भारतीय जनौषधि परियोजना

6) सहयोगी संघवाद

भारत दवा क्षेत्र में अपनी सॉफ्ट पावर को बढ़ाकर अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में उच्च स्थान प्राप्त कर सकता है। निष्कर्ष भविष्योन्मुखी उदाहरण के साथ लिखें।

(6)

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

16 जलवायु परिवर्तन का भारत में खाद्य सुरक्षा पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। इस संदर्भ में भारत में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए है? विश्लेषण कीजिये।

जलवायु परिवर्तन से आशय वैश्विक जलवायु के विभिन्न घटकों जैसे- ताप, वर्षा, समुद्र में जल स्तर आदि में समयानुसार परिवर्तन से है। IPCC की 6ठी आंकलन रिपोर्ट के अनुसार जलवायु परिवर्तन से सूखा व बाढ़ की बारम्बरता बढ़ेगी एवं खाद्य सुरक्षा में अवधान उत्पन्न होगा।

खाद्य सुरक्षा पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव :-

1) प्रभावी उत्पादकता में कमी
2) जलवायु परिवर्तन से समुद्र के जीव स्तर में परिवर्तन से मछलियों एवं अन्य समुद्री खाद्य संसाधनों का ह्रास हुआ है।
3) जलवायु परिवर्तन से व्यक्ति की दक्षता में कमी

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

4) कृषि क्षेत्र में कमी eg - ?

5) कृषि प्रारूप में परिवर्तन eg - ?

खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास

1) सार्वजनिक वितरण प्रणाली -
NFSA, 2013 के अधीन लगभग 81 करोड़ लाभार्थियों तक मुफ्त खाद्यान्न पहुँचाने की सरकार की योजना है।

2) प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना -
मत्स्य क्षेत्र के प्रभावी पुनर्निर्माण, अवसंरचना विकास, संग्रहण, भण्डारण एवं परिवहन के लिए

3) किसानों की आय दोगुनी करने के लिए प्रतिबद्धता

4) अन्तरक्षेत्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 के तहत मिलेट उत्पादन का प्रोत्साहन

5) कृषि में विविधीकरण
6) हरित क्रांति का प्रभाव
7) समेकित बाल विकास योजना.
8) मिड डे मील - विद्यालयों में विद्यार्थियों

की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु

9) POSHAN अभियान

आगे की राह :-

1) FCI जैसी संस्था को गेहूँ व चावल के अतिरिक्त अन्य फसलों के खरीद के लिए अधिकृत किया जाये

2) PDS में विविधीकरण

3) खाद्य प्रारूपों में परिवर्तन के लिए जागरूकता

4) भण्डारण एवं परिवहन में आने वाली समस्या का समाधान

5) खाद्यान्न की ऑन डिमांड आपूर्ति

भारत 130 करोड़ जनसंख्या वाला देश है जिसे अपने लोगों की खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करना है एवं जलवायु परिवर्तन का शमन भी करना है जिससे पंचामृत लक्ष्यों की प्राप्ति हो सके।

भारत सरकार द्वारा इस दिशा में किया जाने वाला प्रयास।

6

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(17) स्वस्थ और व्यवहार्य विद्युत वितरण क्षेत्र भारत की आर्थिक वृद्धि के लिये महत्वपूर्ण है। इससे संबंधित चुनौतियों तथा सहकारी पहलों को लिखिये।

भारत के अनेक गाँवों में अभी विद्युत की पहुँच नहीं है। बहुमायामी गरीबी के अनुसार ये लोग गरीबी की श्रेणी में आते है।

विद्युत उत्पादन → भण्डारण → पारेषण → DISCOMs → जिला व गाँव स्तर तक पारेषण → हमारे घरों में बिजली

विद्युत आने की प्रक्रिया

आर्थिक वृद्धि में विद्युत क्षेत्र का योगदान

1) मशीनीकृत युग में मशीनों को चलाने में विद्युत का योगदान अत्यधिक है।

2) लगभग सभी क्षेत्रों को ऊर्जा आपूर्ति

3) शिक्षा के क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों द्वारा शिक्षा हेतु आवश्यक

4) कम्प्यूटर, इन्टरनेट, मोबाइल आदि के लिए

5) विद्युत का अन्तरसम्बन्धी प्रभाव एवं गुणक प्रभाव देखने को मिलता है।

विद्युत वितरण में चुनौतियां

1) DISCOM की अत्यधिक हानि

2) पारेषण में विद्युत की हानि

3) बिजली बिलों का समय पर भुगतान नहीं

4) चोरी से विद्युत खपत करना

5) सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र की सब्सिडी का दुरुपयोग

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

c) विद्युत क्षेत्र के अधिकारी व कर्मचारी का भ्रष्टाचार

7) मौसमी परिघटनाओं से ढाँचागत विनाश

सम्बन्धित सरकारी पहलें :-

1) सौभाग्य योजना - सभी घरों तक विद्युत पहुँचाने के लिए

2) ई-मीटरिंग - खपत के अनुसार विद्युत बिल चार्ज करना

3) सोलर पावर प्रोजेक्ट - किसानों द्वारा बंजर जमीन अथवा छत पर सोलर पम्प लगाकर बिजली उत्पादन व उपभोग तथा अतिरिक्त बिजली बेचकर अतिरिक्त धनार्जन।

मुफ्त बिजली प्रदान करने की सरकारी योजनाओं से बिजली कम्पनियों पर अधिक भार पड़ता है एवं इससे बचा जाने की आवश्यकता है एवं ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों की ओर प्रस्थान करने की आवश्यकता है।

प्रयास ठीक है

6

18) पार- राष्ट्रीय संगठित अपराध राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये एक महत्वपूर्ण और बढ़ता हुआ खतरा है। भारत में आतंकवाद और संगठित अपराध के बीच संबंधों पर चर्चा कीजिये।

पार- राष्ट्रीय अपराध से आशय ऐसे अपराध से है जो सीमा पार से संचालित होता है एवं जिसका प्रभाव आन्तरिक होता है। आतंकवाद या ऐसे अपराध का मूल उद्देश्य आतंक। भय फैलाना तथा राजनीतिक स्थिरता पैदा करना है।

eg- मुम्बई हमला -26/11

राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा कैसे?

1) आंतरिक सुरक्षा प्रभावित होती है
2) लोगों के मध्य अशान्ति, अविश्वास एवं डर का माहौल बनता है।
3) विकास कार्यों में रुकावट आती है। आपसी सौहार्द्र एवं समन्वय में कमी

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

4) भारत की एकता व अखण्डता पर खतरा

5) राजनीतिक अस्थिरता पैदा होती है

6) जान-माल की हानि संभव

आतंकवाद (वित्त) संगठित अपराध — कैडर

आतंकवाद एवं संगठित अपराध के बीच सम्बन्ध

1) आतंकवाद भी एक संगठित अपराध का ही उदाहरण है

2) आतंकवाद बाह्य अथवा आन्तरिक प्रेरित हो सकता है।

3) आतंकवाद में भी लोगो की भर्ती के लिए विशेष दस्ते होते है एवं सोशल मीडिया का सहारा लिया जाता है।

4) उद्देश्य भी आतंक एवं भय का माहौल बनाना होता है।

5) ओवर ग्राउंड वर्कर एवं स्लीपर सेल द्वारा सहयोग

UPSC

मानचित्र का प्रयोग करें।

समाधान के उपाय एवं आगे की राह

1) तकनीकी का अधिकतम उपयोग
2) सीमा वर्ती क्षेत्रों में फेन्सिंग, सीसीटीवी लगाना, C-BMS प्रणाली
3) एंटी टैरर ग्रुप एवं आतंकवाद को पनाह देने वाले राज्यों के खिलाफ UN, G-20 जैसे समूहों पर आवाज उठाना
4) SAMADHAN प्रयास एवं लोगों में जागरूकता एवं जनभागीदारी को प्रोत्साहन
5) वसुधैव कुटुम्बकम की भावना का प्रचार
6) आतंकी फंडिंग पर प्रभावी नियमन - FATF द्वारा

भारत एक शांतिप्रिय देश है जिसे पड़ोसी देशों से खतरा रहा है। भारत को एक पृथ्वी : एक परिवार एक भविष्य की रणनीति पर कार्य करना चाहिए।

6

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(19) NPDRR क्या है? प्रधानमंत्री के 10 सूत्री एजेंडे और आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर सेंडाई फ्रेमवर्क के कार्यान्वयन में NPDRR की भूमिका पर चर्चा कीजिये।

आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर राष्ट्रीय नीति (NPDRR) एक नियमों की श्रंखला है जिसके माध्यम से आपदा के जोखिम को कम करने की कोशिश की जाती है।

प्रधानमंत्री का 10 सूत्री एजेंडा -

1) आपदा के प्रति लोगों में जागरूकता
2) आपदा ग्रस्त होने की संभावना वाले क्षेत्रों का मानचित्रीकरण
3) आपदा से पूर्व अर्ली वार्निंग प्रदान करना
4) आपदा रोकथाम में लोगों की भूमिका
5) आपदा रोकथाम में तकनीकी का प्रयोग
6) कार्यपालिका की भूमिका

7) आपदा न्यूनीकरण के प्रयास
8) आपदा के प्रभावों को कम करना
9) आपदा प्रभावित लोगों का पुनर्वास
10) भविष्य के प्रति योजना निर्माण

आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर सेंडाई फ्रेमवर्क –

1) आपदा जोखिम के बारे में समझ
2) आपदा का सम्भावित प्रभाव
3) आपदा रोकथाम के प्रयास
4) अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग
5) बुनियादी ढांचे का निर्माण

NDPRR की भूमिका

1) सम्भावित आपदाओं के बारे में लोगों को जागरूक करना
2) आपदा संभावित क्षेत्रों का मानचित्रीकरण
3) मॉक ड्रिल का आयोजन
4) आपदा के प्रभावों को न्यूनतम करना

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

5) पुनर्वास कार्यक्रम

आपदा राहत के लिए विभिन्न सरकारों के प्रयासों को एकीकृत करने की आवश्यकता है ताकि आपदा की वैश्विक प्रकृति को सीमित किया जा सके।

5

मॉडल उत्तर देखें।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

20

पूर्वोत्तर भारत में विकसित हो रही विभाजक रेखाएँ सरकार को अपनी आंतरिक और बाह्य सुरक्षा बढ़ाने के लिये प्रेरित करती हैं। चर्चा कीजिये।

Good

पूर्वोत्तर क्षेत्र भारतीय भूभाग का 8% क्षेत्र समाहित किए हुए है।

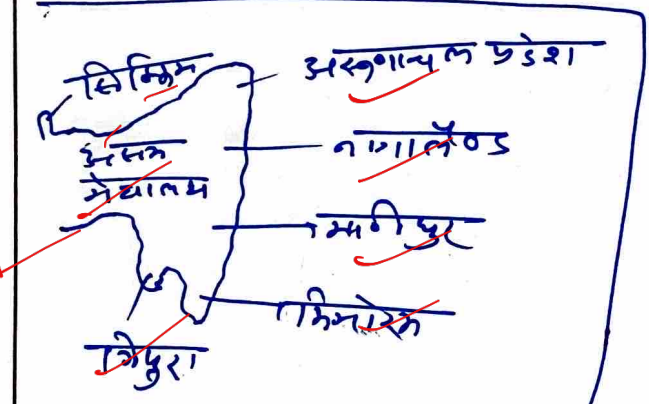

उत्तरी पूर्वी भारत

यह भारत को मुख्य भूमि से 23 km. चौड़े चिकन नेक गलियारे से पृथक होता है।

उत्तर पूर्व में विभाजक रेखाएं —

1) शरणार्थी समस्या — म्यांमार से आने वाले रोहिंग्या शरणार्थी जिन्होंने भूमि पर दबाव बढ़ाया है।

2) अलगाववाद की भावना — मिजोरम, नागालैंड जैसे राज्यों में ग्रेटर नागालिम की मांग

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

3) आन्तरिक जनजातीय संकट -
जनजातीय क्षेत्रों एवं मणिपुर में कुकी एवं मैतेई में विवाद

4) भौगोलिक विविधता के कारण विकास का मिश्र स्तर -
गारो, खासी, जैन्तिया पहाड़ियाँ आदि के कारण तीव्र ढाल अतः विकास प्रक्रिया में देरी

आंतरिक व वाह्य चिंताओं को अलग-2 लिखें।

5) मुख्य भूमि से सीमित सम्बन्ध -

भारत के लिए चुनौती -

1) वाह्य सीमा की सुरक्षा अनिश्चित हो जैसे अरुणाचल से लगी चीन सीमा, म्यांमार सीमा आदि

2) आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित हो ताकि अलगाववाद जैसी प्रवृत्ति को रोका जा सके।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

3) पूर्वोत्तर भारतीयों को मुख्य भूमि भारत से सौहार्द व भ्रातृत्व का विकास

(6)

अतः पूर्वोत्तर भारत का आर्थिक अंग है जहाँ स्थापित समस्याओं से भारत का सम्पूर्ण विकास प्रभावित होता है अतः हमें इस क्षेत्र के विकास की आवश्यकता है।